Academic Council: Date 26 / 04 / 2010, R. No.: (2)
Executive Council: Date 07 / 05 / 2010, R. No.: (3)

BHAVNAGAR UNIVERSITY

BHAVNAGAR

(NACC Accreditation Grade "B")

CREDIT AND SEMESTER SYSTEM

SYLLABUS

BACHELOR OF ARTS (B.A.)

HINDI

(In Force From Academic Year: 2010-2011)

B.A.
FIRST YEAR
Credit and Semester System Syllabus

NAME OF THE SUBJECT HINDI **SEMESTER 1ST**

SR. NO.	PAPER NO	NAME OF THE PAPER	TOTAL MARKS EXT + INT = TOTAL	PASSING STANDARD EXT + INT* = TOTAL	TOTAL TEACHING HOURS	CREDITS
Compulsory						
1	1	**अनिवार्य हिन्दी – भाग–१**	70 + 30 = 100	28 + 12 = 40	15 WEEKS x 3 HOURS =45	03
Main / First Subsidiary						
2	1	**आधुनिक हिन्दी काव्य – भाग–१**	70 + 30 = 100	28 + 12 = 40	15 WEEKS x 3 HOURS =45	03
3	2	**आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य – भाग–१**	70 + 30 = 100	28 + 12 = 40	15 WEEKS x 3 HOURS =45	03
Second Subsidiary						
4	1	**सहायक हिन्दी – भाग–१**	70 + 30 = 100	28 + 12 = 40	15 WEEKS x 3 HOURS =45	03

* **INTERNAL**	**MARKS**
ASSIGNMENT	10
SEMINAR	10
TEST	10

B.A.
FIRST YEAR
Credit and Semester System Syllabus

NAME OF THE SUBJECT HINDI **SEMESTER 2ND**

SR. NO.	PAPER NO	NAME OF THE PAPER	TOTAL MARKS EXT + INT = TOTAL	PASSING STANDARD EXT + INT* = TOTAL	TOTAL TEACHING HOURS	CREDITS
Compulsory						
1	1	**अनिवार्य हिन्दी – भाग–२**	70 + 30 = 100	28 + 12 = 40	15 WEEKS x 3 HOURS =45	03
Main / First Subsidiary						
2	1	**आधुनिक हिन्दी काव्य भाग–२**	70 + 30 = 100	28 + 12 = 40	15 WEEKS x 3 HOURS =45	03
3	2	**आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य भाग–२**	70 + 30 = 100	28 + 12 = 40	15 WEEKS x 3 HOURS =45	03
Second Subsidiary						
4	1	**सहायक हिन्दी – भाग–२**	70 + 30 = 100	28 + 12 = 40	15 WEEKS x 3 HOURS =45	03

* **INTERNAL**	**MARKS**
ASSIGNMENT	10
SEMINAR	10
TEST	10

प्रथम वर्ष बी.ए.
सेमेस्टर–१
अनिवार्य हिन्दी – भाग–१

प्रतिपाद्य :
हिन्दी की प्रारंभिक कहानियाँ प्राय: घटना प्रधान आदर्श मूलक सोदेश्यता प्रधान कहानियाँ हैं । जिसमें कहीं यथार्थान्मुख आदर्शवादी चेतना के दर्शन होते हैं तो कहीं मनोवैज्ञानिक विशेषताओं के । शैली की दृष्टि से भी इनमें अनेक परिवर्तन दृष्टिगोचर है । अत: इसका अध्ययन छात्रों के लिए अपेक्षित है ।

पाठय पुस्तक : कहानी कुंज
उमाकान्त शास्त्री

पाठयवस्तु :

युनीट – १ : व्रतभंग – जयशंकर प्रसाद,
सद्‌गति – प्रेमचन्द — कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

युनीट – २ : बू – अमृता प्रितम
गुल की बन्नो – धर्मवीर भारती — कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

युनीट – ३ : पठित कहानियों से संबंधित ससंदर्भ व्याख्या एवम् टिप्पणियों का कक्षा अध्यापन ।
कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

युनीट – ४ : विराम चिह्नों का परिचय, लिंग व वचन परिवर्तन (शब्दों के सदर्भ में) ।
कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

युनीट – ५ : विचार पल्लवन तथा मुद्दों के आधार पर कहानी लेखन — कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

प्रश्नपत्र का प्रारुप :

(१)		उर्पयुक्त कहानियों से संबंधित चार में से दो आलोचनात्मक प्रश्न ।	(१४ × २) = २८
(२)	(अ)	उर्पयुक्त कहानियों से संबंधित दो में से एक ससंदर्भ व्याख्या ।	(७ × १) = ०७
	(ब)	उपर्युक्त कहानियों से संबंधित दो में से एक टिप्पणी ।	(७ × १) = ०७
(३)	(अ)	निम्नलिखित दस में से सात वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग कीजिए ।	(१ × ७) = ०७
	(ब)	निम्नलिखित दस शब्दों में से सात शब्दों के लिंग व वचन परिवर्तन कीजिए ।	(१ × ७) = ०७
(४)	(अ)	विचार पल्लवन कीजिए । (दो में से एक)	(७ × १) = ०७
	(ब)	मुद्दों पर से कहानी लेखन कीजिए ।	(७ × १) = ०७

सतत सर्वग्राही आंतरिक मूल्यांकन :

१.	स्वाध्याय (असाइनमेन्ट) लेखन	१० अंक
२.	कक्षा में प्रस्तुति (सेमीनार)	१० अंक
३.	आंतरिक सत्रांत परीक्षा	१० अंक

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी कहानी : डॉ. इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
२. हिन्दी कहानी : एक अन्तर्यात्रा, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
३. मानक हिन्दी व्याकरण, डॉ. पृथ्वीनाथ पाण्डेय, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
४. शुद्ध हिन्दी, डॉ. विजयपालसिंह, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

प्रथम वर्ष बी.ए.
सेमेस्टर–१
मुख्य एवम् प्रथम गौण : हिन्दी

प्रश्नपत्र –१ : (आधुनिक हिन्दी काव्य) भाग–१

प्रतिपाद्य :

आधुनिक हिन्दी काव्य पुनर्नवा के रुप में नवीन भावभूमि एवं वैचारिक गतिशीलता को लेकर अवतरित हुआ । युरोप के रोमान्टिसिज्म के प्रभाव स्वरुप हिन्दी में छायावाद के नाम से एक नई काव्यधारा पनपी । इस काव्यधारा में मनुष्य की रागात्मकता, संवेदना एवम् भावनाओं को अभिव्यक्ति का अवसर प्राप्त हुआ । हिन्दी साहित्य की इस काव्यधारा से विद्यार्थियों को अवगत कराना आवश्क है ।

पाठयवस्तु :

युनीट – १ : जयशंकर प्रसाद
(१) सौदंय , (२) आह वेदना मिली विदाई, (३) जागरी , (४) मेरे नाविक
कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

युनीट – २ : सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
(१) जुही की कली, (२) स्नेह निर्झर बह गया है, (३) भारती वन्दना,(४) आहवान
कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

युनीट – ३ : महादेवी वर्मा
(१) क्या पूजन क्या अर्चन रे !, (२) धीरे धीरे उत्तर क्षितिज से,
(३) मैं नीर भरी दु:ख की बदली, (४) विरह का जलजात जीवन
कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

युनीट – ४ : उपर्युकत रचनाकारों की रचनाओं के संदर्भ में ससंदर्भ एवम् टिप्पणियाँ हेतु कक्षा अध्यापन ।
कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

प्रश्नपत्र का प्रारुप :

(१)	उक्त चार सर्जकों की रचनाओं से संबंधित तीन आलोचनात्मक प्रश्न ।	(१४ × ३) = ४२
(२)	उक्त चार सर्जको की रचनाओं से चार ससंदर्भ व्याख्याओं में से दो के उत्तर ।	(७ × २) = १४
(३)	उक्त चार सर्जकों से चार टिप्पणियों में से दो के उत्तर ।	(७ × २) = १४

सतत सर्वग्राही आंतरिक मूल्यांकन :

१.	स्वाध्याय (असाइनमेन्ट) लेखन	१० अंक
२.	कक्षा में प्रस्तुति (सेमीनार)	१० अंक
३.	आंतरिक परीक्षा	१० अंक

पाठय पुस्तक :

छायावाद : प्रतिनिधि काव्य । **संपादक :** रीना परमार, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. पंत, प्रसाद, निराला; अधुनातन आकलन–रामप्रसाद मिश्र, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली ।
२. छायावादी कवियों का सौंदर्य विधान – डॉ. दीक्षित, भारतीय ग्रंथ निकेतन दिल्ली ।
३. छायावाद और उसके कवि – डॉ. इन्द्रराज सिंह, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।
४. छायावाद युगीन काव्य – डॉ. अविनाश भारद्वाज, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।
५. नई कविता के नए कवि – विश्वंभर 'मानव' लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद ।

प्रथम वर्ष बी.ए.
सेमेस्टर–१
मुख्य एवम् प्रथम गौण : हिन्दी

प्रश्नपत्र –२ : (आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य) भाग–१

प्रतिपाद्य :

कहानी हिन्दी गद्य की सशक्त विधा है । हिन्दी कहानी यात्रा अनेक पडावों, मोडों और प्रवृतियों से गुजरी है । एक विधा के स्तर पर उसका महत्वपूर्ण स्थान है । इस विधा से छात्र–छात्राओं का परिचित होना आवश्यक है ।

पाठय पुस्तक : श्रेष्ठ कहानियाँ

संपादक : अवधेश नारायण त्रिपाठी , डॉ. अरविंद जोशी, डॉ. भ्रमर लाल जोशी

पाठयवस्तु :

युनीट – १ : कहानी विधा का स्वरुपगत अध्ययन ।
कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

युनीट – २ : बड़े भाई साहब – प्रेमचंद, आत्मशिक्षण – जैनेन्द्र कुमार ।
कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

युनीट – ३ : वीर बादल – चतुरसेन शास्त्री, परमात्मा का कुत्ता – मोहन राकेश ।
कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

युनीट – ४ : अकबरी लोटा –अन्नपूर्णा दास, चुनाव – राजेन्द्र यादव ।
कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

युनीट – ५ : उपर्युकत रचनाकारों की रचनाओं के संदर्भ में ससंदर्भ एवम् टिप्पणियाँ हेतु कक्षा अध्यापन ।
कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

प्रश्नपत्र का प्रारुप :

(१)	उक्त रचनाकारों की रचनाओं से संबंधित तीन आलोचनात्मक प्रश्न ।	(१४ × ३) = ४२
(२)	उक्त रचनाकारों की रचनाओं में से संबंधित चार में से दो ससंदर्भ व्याख्या ।	(७ × २) = १४
(३)	उक्त रचनाकारों की रचनाओं से संबंधित चार में से दो टिप्पणियाँ ।	(७ × २) = १४

सतत सर्वग्राही आंतरिक मूल्यांकन :

१.	स्वाध्याय (असाइमेन्ट) लेखन	१० अंक
२.	कक्षा में प्रस्तुति (सेमीनार)	१० अंक
३.	आंतरिक कसौटी	१० अंक

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी कहानी – डॉ. इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
२. हिन्दी कहानी : स्वरुप और संवेदना, राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
३. हिन्दी कहानी का इतिहास – गोपालराय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

प्रथम वर्ष बी.ए.
सेमेस्टर–१
द्वितीय गौण (सहायक हिन्दी) – भाग–१

प्रतिपाद्य :
आधुनिक हिन्दी कहानियों में सामाजिक यथार्थ का चित्रण, मानवतावाद का प्रतिपादन, रुढियों का विरोध, शोषितों के प्रति सहानुभूति, क्रान्तिमूलक स्वर का समर्थन आदि प्रवृत्तियों को कहानियों का विषय बनाया गया है । साथ ही व्यक्ति के अन्तरंग सूक्ष्म मनोभावों को उद्‌घाटित करते हुए मानव मन की गहराइयों, अन्तर्द्वंदों और अन्त: संघर्षों को निरुपित किया गया है । अत: इस प्रश्नपत्र का अध्ययन अपेक्षित है ।

पाठय पुस्तक : कथायात्रा
राजेन्द्र यादव, अक्षर प्रकाशन, नई दिल्ली ।

पाठयवस्तु :

युनीट – १ : पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद, कफन – प्रेमचन्द
कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

युनीट – २ : पाजेब – जैनेन्द्र कुमार, शरणदाता – अज्ञेय
कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

युनीट – ३ : उपर्युक्त कहानियों से संबंधित ससंदर्भ व्याख्या एवम् टिप्पणियों का कक्षा अध्यापन ।
कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

युनीट – ४ : काल, कारक, लिंग एवम् वचन संबंधी अशुद्धियों का स्पष्टीकरण ।
कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

युनीट – ५ : विलोम, अनेकार्थी तथा पर्याय शब्द ज्ञान ।
कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

प्रश्नपत्र का प्रारुप :

(१)	उक्त कहानियों से संबंधित चार में से दो आलोचनात्मक प्रश्न ।		(१४ × २) = २८
(२)	(अ)	उक्त कहानियों से संबंधित दो में से एक ससंदर्भ व्याख्या ।	(७ ×१) = ०७
	(ब)	उक्त कहानियों से संबंधित दो में से एक टिप्पणी ।	(७ ×१) = ०७
(३)	दस में से सात वाक्य कारण देकर शुद्ध कीजिए ।		(७ × २) = १४
(४)	(अ)	सात में से पाँच शब्दों के विलोम शब्द लिखिए ।	(५ × १) = ०५
	(ब)	सात में से पाँच पर्यायवाची शब्द लिखिए ।	(५ × १) = ०५
	(क)	छ में से चार अनेकार्थी शब्द लिखिए ।	(४ × १) = ०४

सतत सर्वग्राही आंतरिक मूल्यांकन :

१.	स्वाध्याय (असाइमेन्ट) लेखन	१० अंक
२.	कक्षा में प्रस्तुति (सेमीनार)	१० अंक
३.	आंतरिक कसौटी	१० अंक

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी कहानी : एक अन्तर्यात्रा, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
२. हिन्दी कहानी : स्वरुप और संवेदना, राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
३. अभिनव हिन्दी व्याकरण, रुपनारायण त्रिपाठी, चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर ।
४. शुद्ध हिन्दी, डॉ. विजयपाल सिंह, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

प्रथम वर्ष बी.ए.
सेमेस्टर–२
अनिवार्य हिन्दी – भाग–२

प्रतिपाद्य :
मनुष्य जीवन की स्थितियों और विसंगतियों की पहचान आज की कहानियों का महत्वपूर्ण विषय है । आधुनिक कहानीकारों ने कहानी को मनुष्य जीवन के बुनियादी सवालों से जोड़ने का रचनात्मक दायित्व प्रमाणिकता से पूरा किया है । कथ्य के साथ कहानी में शिल्पगत परिवर्तन भी हुआ है । इस दृष्टि से इस प्रश्नपत्र का अध्ययन अपेक्षित है ।

पाठय पुस्तक : कहानी कुंज
उमाकान्त शास्त्री

पाठयवस्तु :

युनीट – १ : अपना–अपना भाग्य – जैनेन्द्र कुमार, परदा – यशपाल
कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

युनीट – २ : दु:खवा में कासे कहूँ मोरी सजनी – चतुरसेन शास्त्री, दाना–भूसा : मार्कण्डेय
कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

युनीट – ३ : पठित कहानियों से संबंधित ससंदर्भ व्याख्या तथा टिप्पणियों का कक्षा अध्यापन
कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

युनीट – ४ : शब्द समूह के लिए एक शब्द, पारिभाषिक शब्दावली ।
कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

युनीट – ५ : कहावतें तथा मुहावरें । कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

प्रश्नपत्र का प्रारुप :

(१)		पठित कहानियों से संबंधित चार में से दो आलोचनात्मक प्रश्न ।	(१४ × २) = २८
(२)	(अ)	पठित कहानियों से संबंधित दो में से एक ससंदर्भ व्याख्या ।	(७ × १) = ०७
	(ब)	पठित कहानियों से संबंधित दो में से एक टिप्पणी ।	(७ × १) = ०७
(३)	(अ)	निम्नलिखित दस में से सात शब्द समूह के लिए एक शब्द दीजिए ।	(१ × ७) = ०७
	(ब)	दिस में से सात पारिभाषिक शब्दों के अर्थ दीजिए ।	(१ × ७) = ०७
(४)	(अ)	सात में से पाँच मुहावरों के अर्थ देकर वाक्य प्रयोग कीजिए ।	(२ × ५) = १०
	(ब)	निम्नलिखित छ: में से चार कहावतों के अर्थ दीजिए ।	(१ × ४) = ०४

सतत सर्वग्राही आंतरिक मूल्यांकन :

१.	स्वाध्याय (असाइनमेन्ट) लेखन	१० अंक
२.	कक्षा में प्रस्तुति (सेमीनार)	१० अंक
३.	आंतरिक सत्रांत परीक्षा	१० अंक

संदर्भ ग्रंथ :
१. नई कहानी : पुनर्विचार, मधुरेश, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, नई दिल्ली ।
२. कहानी नई कहानी :डॉ. नामवरसिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
३. व्यवहारिक हिन्दी, माधवराव सोनटक्के, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
४. अभिनव हिन्दी व्याकरण, रुपनाराण त्रिपाठी, चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर ।

प्रथम वर्ष बी.ए.
सेमेस्टर–२
मुख्य एवम् प्रथम गौण : हिन्दी

प्रश्नपत्र –१ : (आधुनिक हिन्दी काव्य) भाग–२

प्रतिपाद्य :

हिन्दी साहित्य के छात्रों को सामाजिक सुधार एवम् राष्ट्रीय नवजागरण सम्बन्ध चेतना से अनुप्राणित स्वातंत्र्य पूर्व की हिन्दी काव्यधारा से भलीभाँति परिचित कराना तथा आधुनिकता की सारस्वत संकल्पना को इस हेतु परिभाषित करना प्रस्तुत प्रश्नपत्र का मौलिक प्रयोजन है ।

पाठय पुस्तक : 'द्वापर'
मैथिलीशरण गुप्त, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

पाठयवस्तु :

युनीट – १ :	मैथिलीशरण गुप्त : व्यकितत्व एवम् कृतित्व ।	कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४
युनीट – २ :	खण्डकाव्य विधा का स्वरुपगत अध्यापन ।	कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४
युनीट – ३ :	'द्वापर' का कथानक की दृष्टि से अध्यापन ।	कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४
युनीट – ४ :	'द्वापर' का अभिव्यकित कौशल के संदर्भ में अध्यापन ।	कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४
युनीट – ५ :	'द्वापर' खण्डकाव्य का ससंदर्भ व्याख्या तथा टिप्पणी के संदर्भ में अध्यापन ।	कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

प्रश्नपत्र का प्रारुप :

(१)	'द्वापर' खण्डकाव्य के सर्जक, विधा और रचना से संबंधित तीन आलोचनात्मक प्रश्न ।	(१४ × ३) = ४२
(२)	'द्वापर' खण्डकाव्य से किन्ही चार ससंदर्भो में से दो ससंदर्भ व्याख्या ।	(७ × २) = १४
(३)	'द्वापर' खण्डकाव्य में से किन्ही चार टिप्पणियों में से दो टिप्पणियाँ ।	(७ × २) = १४

सतत सर्वग्राही आंतरिक मूल्यांकन :

१.	स्वाध्याय (असाइमेन्ट) लेखन	१० अंक
२.	कक्षा में प्रस्तुति (सेमीनार)	१० अंक
३.	आंतरिक कसौटी	१० अंक

संदर्भ ग्रंथ :

१. आधुनिक ख्ण्डकाव्य में युग चेतना, एन. डी. पाटिल, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली ।
२. मैथिलीशरण गुप्त : व्यकितत्व और काव्य, डॉ. कमलकान्त पाठक , रणजीत प्रिन्टींग एण्ड पब्लिशर्स, दिल्ली ।
३. मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन, डॉ. नगेन्द्र, मीनाश्री प्रकाशन, जयपुर रोड, अजमेर ।
४. नई कविता नये कवि, विश्वम्भर 'मानव', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

प्रथम वर्ष बी.ए.
सेमेस्टर–२
मुख्य एवम् प्रथम गौण : हिन्दी

प्रश्नपत्र –२ : (आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य) भाग–२

प्रतिपाद्य :

गद्य की प्रमुख विधाओं के अन्तर्गत कहानी एवम् उपन्यास का आज क्षिप्रगति से विकास हो रहा है । आधुनिक अयुक्तिक जीवन का युक्तियुक्त साधन है उपन्यास । जिसे वर्तमान युग का महाकाव्य कहा गया है । इस विधा से अवगत होना हिन्दी छात्र–छात्राओं के लिए अति आवश्यक है ।

पाठय पुस्तक : 'गबन' – प्रेमचंद
नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।

पाठयवस्तु :

युनीट – १ :	प्रेमचंद के व्यकितत्व एवम् कृतित्व का कक्षा अध्यापन ।	कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४
युनीट – २ :	उपन्यास विधा का स्वरुपगत अध्यापन ।	कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४
युनीट – ३ :	'गबन' का कथानक की दृष्टि से अध्यापन ।	कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४
युनीट – ४ :	'गबन' उपन्यास का अभिव्यक्ति कौशल की दृष्टि से अध्यापन ।	कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४
युनीट – ५ :	'गबन' उपन्यास के संदर्भ में ससंदर्भ व्याख्या तथा टिप्पणियों का कक्षा अध्यापन ।	कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

प्रश्नपत्र का प्रारुप :

(१)	'गबन' उपन्यास से संबंधित तीन आलोचनात्मक प्रश्न ।	(१४ × ३) = ४२
(२)	'गबन' उपन्यास से संबंधित चार में से दो ससंदर्भ व्याख्या ।	(७ × २) = १४
(३)	'गबन' उपन्यास से संबंधित चार में से दो टिप्पणियाँ ।	(७ × २) = १४

सतत सर्वग्राही आंतरिक मूल्यांकन :

१.	स्वाध्याय (असाइमेन्ट) लेखन	१० अंक
२.	कक्षा में प्रस्तुति (सेमीनार)	१० अंक
३.	आंतरिक कसौटी	१० अंक

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख, सं. इन्द्रनाथ मदान, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली ।
२. प्रेमचंद : एक विवेचन, डो. इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
३. प्रेमचंद और उनके उपन्यास, उषा ऋषि, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली ।
४. हिन्दी उपन्यास: एक अन्तर्यात्रा, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. नई दिल्ली ।

प्रथम वर्ष बी.ए.
सेमेस्टर–२
द्वितीय गौण (सहायक हिन्दी) भाग–२

प्रतिपाद्य :
स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी साहित्य में स्वातंत्र्योत्तर भारतीय जीवन यथार्थ को अपने परिवेशगत अनुभवों के माध्यम से रुपायित किया है । जिसमें कहानीकारों ने स्वातंत्र्योत्तर परिस्थितियाँ, संबंधों, मूल्यों और मानसिकताओं की गतिशिलता और संक्रान्तता के परिपेक्ष्य में पहचान की है । इस पहचान से विद्यार्थियों को परिचित कराना आवश्यक है ।

पाठय पुस्तक : कथायात्रा
संपादक : राजेन्द्र यादव ।

पाठयवस्तु :

युनीट – १ : परदा – यशपाल, आद्रा – मोहन राकेश — कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४
युनीट – २ : सजा – मन्नू भण्डारी, बिरादरी बाहर – राजेन्द्र यादव — कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४
युनीट – ३ : उपर्युक्त कहानियों से संबंधित ससंदर्भ व्याख्या एवम् टिप्पणियों का कक्षा अध्यापन । — कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४
युनीट – ४ : पारिवारिक – सामाजिक पत्र लेखन तथा गुजराती से हिन्दी में अनुवाद । — कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४
युनीट – ५ : समसामयिक विषय पर निबंध लेखन । — कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

प्रश्नपत्र का प्रारुप :

(१)		उक्त कहानियों से संबंधित चार में से दो आलोचनात्मक प्रश्न ।	(१४ × २) = २८
(२)	(अ)	उक्त कहानियों से संबंधित दो में से एक ससंदर्भ व्याख्या ।	(७ ×१) = ०७
	(ब)	उक्त कहानियों से संबंधित दो में से एक टिप्पणी ।	(७ ×१) = ०७
(३)	(अ)	दो में से एक पत्र लेखन ।	(७ ×१) = ०७
	(ब)	गुजराती से हिन्दी अनुवाद ।	(७ ×१) = ०७
(४)		तीन विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लेखन ।	(१४ ×१) = १४

सतत सर्वग्राही आंतरिक मूल्यांकन :

१.	स्वाध्याय (असाइमेन्ट) लेखन	१० अंक
२.	कक्षा में प्रस्तुति (सेमीनार)	१० अंक
३.	आंतरिक कसौटी	१० अंक

संदर्भ ग्रंथ :
१. हिन्दी कहानी : एक अन्तर्यात्रा, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
२. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया, डॉ. आनंद प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
३. व्यवहारिक हिन्दी , डॉ. कृष्ण रस्तू, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
४. नव आधुनिक हिन्दी व्याकरण तथा रचना, श्री शरण रस्तोगी, चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर ।